पति पत्नी का रिश्ता वर्तमान के संदर्भ में

तर्ज :- तुम्हीं मेरी मंजिल, तुम्हीं मेरी पुजा,तुम्हीं देवता हो।

पति पत्नी दोनों, गाडी के दो पहिये
जिनके बिना नहीं,चलती है गाडी
*पत्नी पति के घर को सजाती।
*फेरो के सातो वचन निभाती।।
*कुल का तो है वो मान बढाती।
*मामुली मंका को घर वो बनाती।।
पति :---
*आज की पत्नी पति के बराबर।
*कंधे से कंधा मिलाकर है चलती।।
*शिक्षा में पति से कम है कहीं ना।
*घर हो या आफिस कहीं भी है कम ना।।
पति ;----
*सुख दुःख दोंनो साथ में बांटे।
*दोनों ही मिलकर बच्चों को पाले।।
*दोनों ही आफिस साथ है जातें।
*दोनों ही आकर मिलजुल के खाते।।
पति :---
* कोई किसी से आज कम तो नहीं है।
* पति हो पत्नी रौशन दोनो है।।
* समझे नही जो पाँव की जुती।
* मुबारक है दोनों की सोच अनूठी।।

दोनों ने अपनी है पहचान बनाई।
अपने समपर्ण से है दुनिया सजाई।।
पति पत्नी:---

रंजना बिनानी

गोलाघाट (असम)

मोबाइल- 9435515469